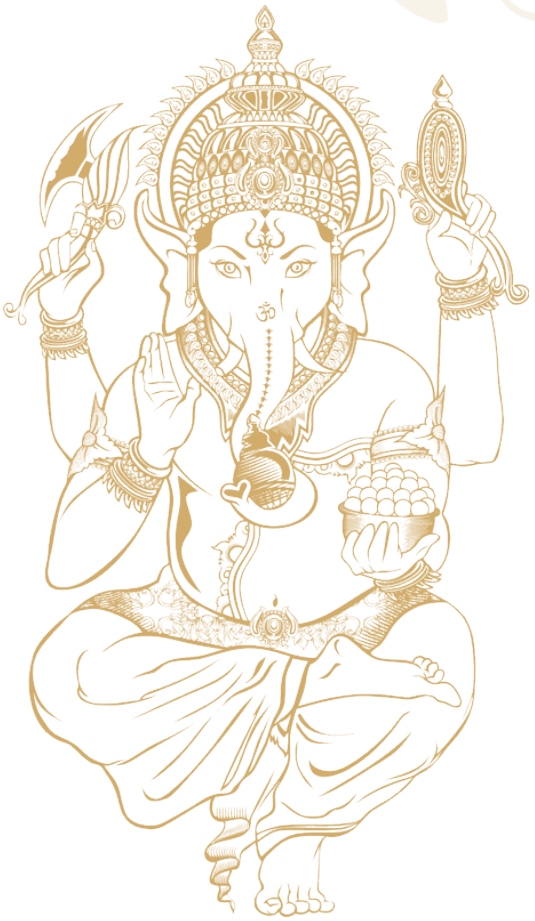

Mr.mams

23 Jan 2026

02:05 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121023803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22-23/01/2026**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**02:05:00 घंटे**
इष्ट	47:07:51 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:43:52 घंटे
वेलान्तर	-00:11:31 घंटे
साम्पातिक काल	09:52:41 घंटे
सूर्योदय	07:13:51 घंटे
सूर्यास्त	17:51:52 घंटे
दिनमान	10:38:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	08:36:42 मकर
लग्न के अंश	26:14:47 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	परिघ
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सो-सोमनाथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:14:47	307:00:02	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			मक	08:36:42	01:01:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	26:24:40	13:16:26	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
मंगल		अ	मक	05:21:54	00:46:45	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध		अ	मक	09:24:46	01:41:29	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:13:56	00:07:37	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	12:28:28	01:15:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
शनि			मीन	03:33:43	00:05:18	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	15:07:48	00:01:05	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	15:07:48	00:01:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:18:07	00:00:38	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:40:55	00:01:25	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:10:54	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	01:41:56	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

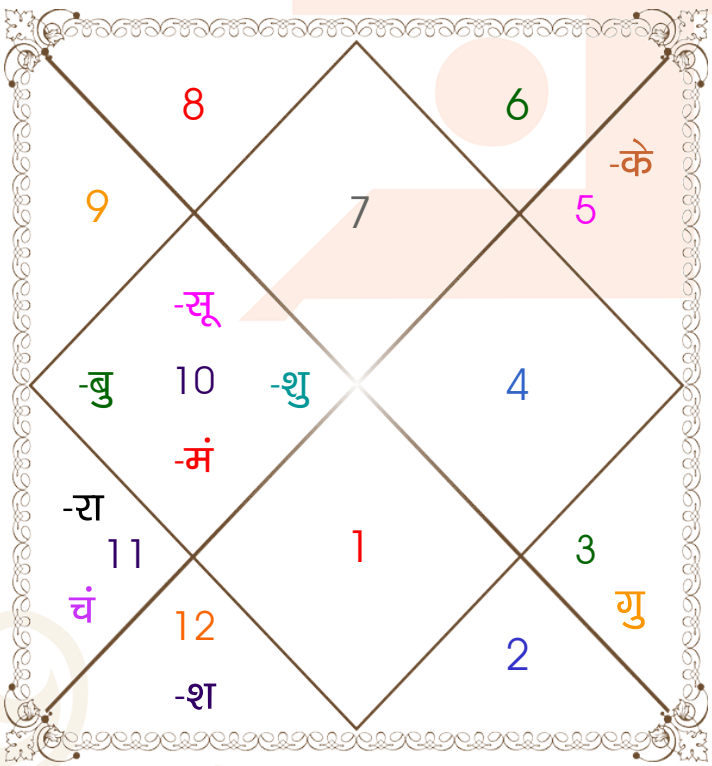

चन्द्र कुंडली

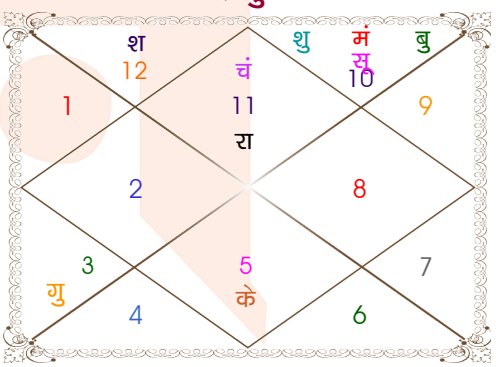

नवमांश कुंडली

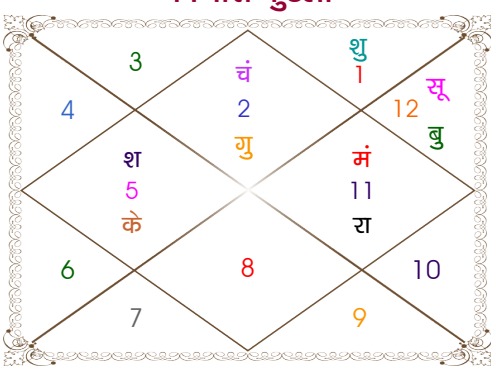

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 3 मास 20 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/01/2026		15/05/2034		14/05/2053		15/05/2070		14/05/2077	
15/05/2034		14/05/2053		15/05/2070		14/05/2077		14/05/2097	
	00/00/0000	शनि	17/05/2037	बुध	11/10/2055	केतु	11/10/2070	शुक्र	13/09/2080
	00/00/0000	बुध	26/01/2040	केतु	07/10/2056	शुक्र	11/12/2071	सूर्य	13/09/2081
	23/01/2026	केतु	05/03/2041	शुक्र	08/08/2059	सूर्य	17/04/2072	चंद्र	15/05/2083
केतु	27/03/2026	शुक्र	05/05/2044	सूर्य	14/06/2060	चंद्र	16/11/2072	मंगल	14/07/2084
शुक्र	25/11/2028	सूर्य	17/04/2045	चंद्र	13/11/2061	मंगल	14/04/2073	राहु	15/07/2087
सूर्य	13/09/2029	चंद्र	16/11/2046	मंगल	10/11/2062	राहु	02/05/2074	गुरु	15/03/2090
चंद्र	13/01/2031	मंगल	26/12/2047	राहु	30/05/2065	गुरु	08/04/2075	शनि	14/05/2093
मंगल	20/12/2031	राहु	01/11/2050	गुरु	05/09/2067	शनि	17/05/2076	बुध	14/03/2096
राहु	15/05/2034	गुरु	14/05/2053	शनि	15/05/2070	बुध	14/05/2077	केतु	14/05/2097

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/05/2097		16/05/2103		15/05/2113		15/05/2120		16/05/2138	
16/05/2103		15/05/2113		15/05/2120		16/05/2138		00/00/0000	
सूर्य	01/09/2097	चंद्र	15/03/2104	मंगल	12/10/2113	राहु	26/01/2123	गुरु	03/07/2140
चंद्र	03/03/2098	मंगल	14/10/2104	राहु	30/10/2114	गुरु	21/06/2125	शनि	14/01/2143
मंगल	08/07/2098	राहु	15/04/2106	गुरु	06/10/2115	शनि	27/04/2128	बुध	21/04/2145
राहु	02/06/2099	गुरु	15/08/2107	शनि	14/11/2116	बुध	14/11/2130	केतु	24/01/2146
गुरु	21/03/2100	शनि	16/03/2109	बुध	11/11/2117	केतु	03/12/2131		00/00/0000
शनि	03/03/2101	बुध	15/08/2110	केतु	09/04/2118	शुक्र	03/12/2134		00/00/0000
बुध	08/01/2102	केतु	16/03/2111	शुक्र	09/06/2119	सूर्य	27/10/2135		00/00/0000
केतु	16/05/2102	शुक्र	14/11/2112	सूर्य	15/10/2119	चंद्र	27/04/2137		00/00/0000
शुक्र	16/05/2103	सूर्य	15/05/2113	चंद्र	15/05/2120	मंगल	16/05/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 8 वर्ष 3 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।